माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: हायर सेकण्डरी परी...

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 130 परीक्षा का विषय ~~हिन्दी~~ राजनीति Political Science शास्त्र
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 23/3/09
3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें — कोड: L-5, सेट: A

केन्द्र क्रमांक की सील
शा उत्कृष्ट उ मा विद्यालय बुदनी
केन्द्र क्रमांक - 641009

... सील के निशान से मिलाकर लगायें

1710216

... क K

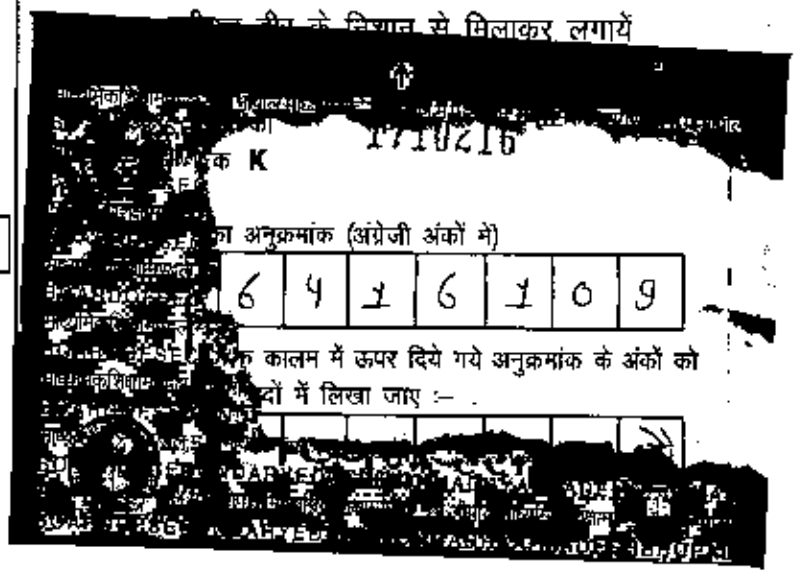

... का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

6	4	1	6	1	0	9

... कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को ... शब्दों में लिखा जाए :-

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में एक अंकों में 1

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 01 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

B S E M P

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) ________

नाम ~~Sarika Shivale~~ पद Teacher

पता / संस्था ~~Govt. H. School Budhni~~

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मु... उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा ... कि वे पृष्ठ भाग पर दिये ग... निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चि... करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर ... चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन ... पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एव...

हस्ताक्षर (परीक्षक) Smt. V Chouhan

परीक्षक क्रमांक 9540618

हस्ताक्षर (उपमु...

दिनांक..................

दिनांक..................

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौंपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3

योग पूर्व पृष्ठ + ... अंक ... कुल अंक

उत्तर

उ०1- रिक्त स्थान

उ० (i) 26 जनवरी

(ii) पश्चिम बंगाल

(iii) शासनाध्यक्ष

(iv) मौलिक

(v) व्यक्तिवाद

उ०2- सही विकल्प

(अ) (ii) 9 दिसम्बर, 1946 को

(ब) (iv) उक्त तीनों राज्यों को

(स) (iii) वयस्क

(द) (iii) 30 अक्टूबर, 1945 को

(इ) (iv) ये सभी

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

उ03- सही जोड़ी

	अ	ब
(अ)	राजस्थान संघ	मेवाड़ और राजस्थान की देशी रियासतें
(ब)	संविधान का निर्माण	2 वर्ष, 11 माह, 18 दिन
(स)	अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना	27 दिसम्बर, 1945
(द)	परमाणु अस्त्र अप्रसार संधि	सन 1968
(इ)	आर्थिक उदारीकरण	व्यापार पर प्रतिबंधों का अभाव।

उ04- सत्य / असत्य

(i) असत्य

(ii) असत्य

BSEMP

(iii) सत्य

(iv) सत्य

(v) असत्य

उ० 5- एक शब्द में उत्तर

(i) डॉ. भीमराव अम्बेडकर

(ii) पंडित जवाहर लाल नेहरू

(iii) सन् 1971

(iv) 24 अक्टूबर

(v) समाजवाद

Section 'B'

उ० 6- भारत विभाजन के प्रमुख कारण —

(i) मुस्लिमों में साम्प्रदायिक भावना →

P.T.O

BSEM

+ पृष्ठ 6 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

सदियों से साथ - साथ रहने के बावजूद मुस्लिमों में भारतीयों के प्रति भाईचारे की भावना विकसित नहीं हो पाई। जिससे उनमें यह भावना बनी रही की मुस्लिमों के हित, हिंदुओं के हित से अलग हैं।

(ii) अंग्रेजों द्वारा मुस्लिम साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देना →

अंग्रेजों ने सन् 1870 से ही मुस्लिमों को संरक्षण देने का कार्य प्रारम्भ कर दिया था। सन् 1909 के अधिनियम को भी अंग्रेजों द्वारा मुस्लिम साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ही किया गया।

(iii) मुस्लिम लीग के प्रति कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति →

कांग्रेस ने अनेक अवसरों पर लीग की अनुचित मांगों को स्वीकार किया। लखनऊ समझौता (1916) एक बड़ी भूल थी। जिससे मुस्लिम लीग का मनोबल बढ़ता गया।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

(iv) अंतरिम सरकार में मुस्लिम लीग के सदस्यों को शामिल किया जाना →

अंतरिम सरकार में मुस्लिम लीग के सदस्यों को शामिल किए जाने से, सरकार की कार्यकारिणी विभाजित हो गई। जिससे सरकार हिंदू - मुस्लिम दंगों को रोक पाने में असमर्थ हो गई।

और विवश होकर उसे विभाजन को स्वीकार करना पड़ा।

इन सब कारणों का अंतिम परिणाम भारत विभाजन के रूप में सामने आया।

Q07 - पंचवर्षीय योजनाओं के प्रमुख उद्देश्य-

(i) रोजगार के अवसरों में वृद्धि → पंचवर्षीय योजनाओं का प्रमुख उद्देश्य रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना था।

(ii) आत्मनिर्भरता → इन योजनाओं का एक अन्य प्रमुख उद्देश्य उस देश की जनता को आत्मनिर्भर

पृष्ठ के अंकों का योग

बनाना था।

(iii) धन तथा आय की असमानता को दूर करना → पंचवर्षीय योजनाओं में विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के मध्य विद्यमान आय तथा धन की असमानता को दूर करने पर भी जोर दिया गया।

(iv) निर्यात को प्रोत्साहन तथा आयात में कमी → पंचवर्षीय योजनाओं का एक अन्य प्रमुख लक्ष्य, निर्यात को प्रोत्साहित करना तथा आयातों में कमी करना है।

9वीं एवं 10वीं पंचवर्षीय योजनाओं में विशेष रूप से निर्यात को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया।

Q08- **क्षेत्रवाद का दुष्परिणाम** →

क्षेत्रवाद का आशय उस संकीर्ण भावना से है। जिससे प्रेरित होकर कोई व्यक्ति, राष्ट्रीय हितों की अपेक्षा, क्षेत्रीय हितों को अधिक

BSEMP

B S E M P

महत्व है।

क्षेत्रवाद का प्रमुख दुष्परिणाम नए राज्यों की मांग करना है।

क्षेत्रीय आधार पर नए राज्यों की मांग करने वाले लोगों के आधार पर दो दृष्टिकोण निर्मित होते हैं।

प्रथम जहाँ आर्थिक समृद्धि अधिक है किंतु उनके संसाधनों का सम्पूर्ण प्रदेश में उपयोग किए जाने के कारण उन्हें उतना लाभ नहीं मिल पा रहा है। जितना मिलना चाहिए।

उदा. — ~~नवनिर्मित~~ नवनिर्मित झारखण्ड राज्य पर यह बात लागू होती है।

द्वितीय, जहाँ साक्षरता का प्रतिशत काफी कम है। अतः उन्हें अन्य राज्यों की अपेक्षा हीनभावना से देखा जाता है। नए राज्य की मांग करके वे इस भावना से छुटकारा पाना चाहते हैं।

उदा. — नवगठित छत्तीसगढ़ राज्य इसका श्रेष्ठ उदाहरण है।

P.T.O.

पृष्ठ के अंकों का योग

उ० 9- राष्ट्रीय महिला आयोग —

महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने हेतु, तथा उन्हें विविध अत्याचारों से संरक्षण प्रदान करने हेतु। राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन किया गया।

इस आयोग की स्थापना 1992 में ~~भ~~ संसद के एक अधिनियम के अन्तर्गत की गई।

कार्य — राष्ट्रीय महिला आयोग, महिलाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण प्रदान करने के साथ विवाह, तलाक, दहेज आदि मुकदमों की सुनवाई करता है।

राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ विविध राज्यों में, राज्य महिला-आयोग का भी गठन किया गया है। वर्तमान में जहाँ राष्ट्रीय महिला आयोग को और अधिक शक्तिशाली बनाने की माँग जोरों पर है। वहीं अन्य राज्यों में राज्य महिला आयोग की स्थापना की माँग भी जोर

(11)

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 11 के अंक | कुल अंक

पकड़ रही है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष — गिरिजा व्यास।

उ०10 — **शीत युद्ध →** शीत युद्ध एक ऐसा युद्ध है। जो रणक्षेत्र में नहीं लड़ा जाकर मनव - मस्तिष्क में लड़ा जाता है।

शीत युद्ध मे किसी एक पक्ष की मृत्यु रणक्षेत्र में नही होकर, प्रत्यक्ष रूप से करोडो लोगो के भयानक सर्वनाश की सम्भावना उत्पन्न हो जाती है।

यह युद्ध हथियारों से नही लड़ा जाकर परस्पर घृणा, प्रतिस्पर्धा और दूसरों को नीचा दिखाकर लड़ा जाता है।

द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात विश्व विश्व दो गुटो साम्यवादी एवं पूंजीवादी मे विभक्त हो गया। इन दोनों गुटों में परस्पर विरोध विद्यमान रहा है।

जो शीत युद्ध का कारण बना।

पृष्ठ के अंकों का योग

B S E M P

उ011— **भारत और नेपाल के सम्बंध →**

भारत के पड़ोसी देश नेपाल की संस्कृति भारत के ही समान है। नेपाल भारत तथा तिब्बत के मध्य स्थित है। अत: तिब्बत पर चीन के आधिपत्य के पश्चात, ये भारत तथा चीन के मध्य बफर स्टेट का कार्य करता है।

उत्तर में भारत की पर्याप्त सुरक्षा नेपाल की सुरक्षा पर ही निर्भर करती है। अत: सन् 1950 में पण्डित जवाहर लाल नेहरु ने उचित ही कहा था की —

जहाँ तक कुछ एशियाई गतिविधियों का सवाल है। भारत तथा नेपाल के बीच कोई सैन्य समझौता नही है। लेकिन नेपाल पर कोई भी आक्रमण भारत सहन नहीं करेगा। क्योंकि नेपाल की सुरक्षा को खतरा अर्थात भारत की सुरक्षा को खतरा।

B S F N

BSEMP

उ० 12- वैश्वीकरण →

उदारीकरण →

उदारीकरण जैसा की इसके नाम से ही स्पष्ट हो जाता है, कि यह व्यापार की एक उदार प्रक्रिया है। उदारीकरण सन् 1991 में की गई नई आर्थिक नीति का एक हिस्सा है।

इसके अन्तर्गत व्यापारिक क्रियाओं के लिए बनाए गए कानूनों में ढील देते हुए आयात - निर्यात को सरलीकृत किया जाता है।

इसमें देश में पूर्व से चली रही लाइसेन्स, नियंत्रण, कोटा जैसे शासकीय अवरोधों को दूर करते हुए। देश को आर्थिक विकास के मार्ग पर प्रशस्त करने का प्रयास किया जाता है।

उ० 13- कश्मीर समस्या →

कश्मीर समस्या भारत तथा पाकिस्तान के संबंधों की निर्धारक तत्व बनी हुई है।

सर्ववादित है कि 22 अक्टूबर 1947 को कश्मीर पर पाकिस्तान ने कबाईली आक्रमण कराया। जिसके फलस्वरूप कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के नियंत्रण में चला गया।

इस समस्या का प्रादुर्भाव भारत विभाजन के उपरांत हुआ। चूंकि कश्मीर की सीमाएं भारत एवं पाकिस्तान दोनों से लगती हैं। अतः कश्मीर के शासक हरिसिंह ने स्वतंत्र रहने का निर्णय किया। किंतु पाकिस्तान को इसका यह निर्णय पसंद नहीं आया। क्योंकि वह आरम्भ में ही इस रियासत को हड़पने का मन बना चुका था।

अतः क पाकिस्तान ने पहले कश्मीर पर आर्थिक दबाव बनाया। किंतु जब वह अपनी नीति में सफल नहीं हुआ, तो उसने कश्मीर पर कबाईली आक्रमण कराया।

मात्र 4 दिन में ये कबाईली कश्मीर की राजधानी श्रीनगर से दो कि.मी. दूर स्थित बारामुला नामक स्थान तक पहुंच गए।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

कश्मीर के राजा ने संकटपूर्ण स्थिती में भारत से सहायता मांगी। यहां, यह उल्लेखनीय है की । कश्मीर द्वारा भारत में विलय के सहमति पत्र पर हस्ताक्षर के उपरांत ही कश्मीर को सैन्य सहायता उपलब्ध कराई।

अन्तत: 26 अक्टूबर 1947 को कश्मीर का विलय भारत में हो गया।

उ014 पिछड़े वर्गों के कल्याण हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदम।

(1) आयोग का गठन → पिछड़े वर्गों के कल्याण हेतु सरकार द्वारा आयोगों का गठन किया गया है।

(2) वित्त एवं विकास निगम → पिछड़े वर्गों के कल्याण हेतु तथा इन वर्गों के लिए बनाई जाने वाली योजनाओं के हेतु, वित्त उपलब्ध कराने के लिए पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम की स्थापना की गई है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(3) स्वरोजगार योजनाएं → पिछड़े वर्गों के विकास हेतु स्वरोजगार योजनाएं चलाई जा रही है। जिसके अन्तर्गत पिछड़े वर्ग के लोगों को कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

(4) शासकीय सेवाओं में आरक्षण → पिछड़े वर्गों के विकास हेतु उन्हें शासकीय सेवाओं में भी आरक्षण उपलब्ध कराया जाता है।

(5) शैक्षणिक सेवाएं → पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने हेतु छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती है। इनके लिए छात्रावासों की भी स्थापनाएं की गई है।

उ015- भारतीय लोकतंत्र के संचालन में निरक्षरता एक गम्भीर चुनौती है। इस तथ्य को अग्र प्रकार से स्पष्ट किया जा सकता है —

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(1) राजनीतिक व्यवस्था के प्रति उदासीनता →

निरक्षर लोग राजनीतिक दृष्टि व्यवस्था के प्रति उदासीनता का भाव प्रकट करते हैं। ये लोग समय-समय पर देश में होने वाले चुनावों में अपना मत भी प्रकट नहीं करते।

(2) भाग्यवादी स्वरूप →

निरक्षर लोग अच्छे किसान भी नहीं बन पाते क्योंकि वे भाग्यवादी होते हैं। सर्ववादित है कि भाग्यवादी लोग अधिक गरीब होते हैं। तथा ये लोकतंत्र के संचालन में साधक नहीं होकर बाधक होते हैं।

(3) हीनभावना के शिकार →

निरक्षर लोग हीनभावना के शिकार होते हैं। उन्हें साफ-सुथरा रहने की आदत नहीं होती; अतः वे अक्सर बीमार रहते हैं, तथा सरकार को यह आभास करना चाहिए कि उनके लिए पर्याप्त मात्रा में

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध नहीं है।

(4) अपूर्ण मानसिक विकास →

निरक्षर लोगों का पूर्णरूपेण मानसिक विकास नहीं हो पाता। वे बच्चों को स्कूल भेजने के बजाय किसी काम-धंधे में लगा देते हैं।

आज के बच्चे कल के लोकतंत्र के संचालक हैं। यदि वे ही निरक्षर रह जाएँगे, तो भारत का भविष्य तो अकल्पनीय रहा है।

उ016- **सहकारिता के सिद्धांत —**

(1) **समता** — सहकारिता आंदोलन समिति में प्रत्येक सदस्य के साथ समानता का व्यवहार किया जाता है।

(2) **स्वतंत्रता** — सहकारी समिति के सदस्य इसकी सदस्यता स्वीकारने तथा छोड़ने के लिए स्वतंत्र है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(3) मितव्ययिता — सहकारी समिति अपने सदस्यों को मितव्ययिता के गुण सिखाती है।

(4) उत्तरदायित्व — सहकारी समिति में सभी सदस्यों का योगदान होने के कारण सभी का उत्तरदायित्व रहता है।

(5) प्रचार — सहकारिता के प्रचार में किसी भी बात को छिपाया नहीं जाता।

(6) समिति — सहकारी समितियां गरीब लोगों के कल्याण की दृष्टि से कार्य करती हैं।

(7) लोकतंत्र — सहकारी समितियों में लोकतंत्र के समस्त गुण विद्यमान हैं।

P.T.O

B S E M P

पृष्ठ के अंको का योग

उ0 17- गुटनिरपेक्ष नीति के प्रमुख लक्षण -

(1) तटस्थता एवं असंलग्नता →

गुटनिरपेक्ष नीति का प्रमुख लक्षण तटस्थता एवं असंलग्नता है। गुटनिरपेक्ष नीति से सम्बंधित राज्य अपने किसी भी सैनिक गुट से सम्बद्ध नहीं होता।

(2). निःशस्त्रीकरण →

गुटनिरपेक्ष नीति से सम्बद्ध राज्य शस्त्रीकरण का विरोध तथा निःशस्त्रीकरण को प्रोत्साहन देता है।

(3) अहस्तक्षेप →

गुटनिरपेक्ष नीति से सम्बद्ध राज्य (राष्ट्र) किसी भी अन्य राज्य के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता।

(4) शांतिपूर्ण सह अस्तित्व →

गुटनिरपेक्ष नीति पर चलने वाला राष्ट्र शांति-पूर्ण

BSEMP

सहअस्तित्व की नीति का पालन करता है।

(5) विश्व शांति को प्रोत्साहन → गुटनिरपेक्ष नीति का अनुसरण करने वाला राष्ट्र विश्व शांति को प्रोत्साहन देगा। तथा ऐसा कोई भी कार्य नहीं करेगा जिससे विश्व शांति को खतरा उत्पन्न हो।

उ० 18- भारत - पाकिस्तान के सम्बंध —

भारत पाकिस्तान के संम्बंध सदैव से ही तनावपूर्ण रहे हैं।

संबंधों में तनाव के कारण —

(i) कश्मीर समस्या — भारत - पाकिस्तान संबंधों में तनाव का प्रमुख कारण कश्मीर समस्या है। दोनों ही देश कश्मीर पर अपना दावा सही तथा दूसरे का दावा गलत बताते है।

(ii) बांग्लादेश — सर्वविदित है कि बांग्लादेश पूर्व में पाकिस्तान का हिस्सा था। वहां पाकिस्तान से अलग होने हेतु संघर्ष हुआ। तथा भारत

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

की सहायता से वह स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ। पाकिस्तान का विचार है कि भारत ने पाकिस्तान को खंडित करने का कार्य किया है।

(iii) **पाक प्रायोजित आतंकवाद →**

पाक ने हमेशा से ही भारत में आतंकवाद को प्रोत्साहन दिया। जिससे दोनों देशों के सम्बंधों में तनाव आ गया।

(iv) **सियाचिन समस्या →** सियाचिन, भारत के मानचित्र पर शीर्ष में स्थित है। ये सैन्य व सामरिक दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसके उक्त महत्व के कारण दोनों देश इसे अपने नियंत्रण में लेना चाहते हैं।

उ०20 - **भारतीय संविधान की विशेषताएं -**

(I) **जनसम्प्रभुता पर आधारित संविधान -**

भारतीय संविधान जन -

BSEMP

सम्प्रभुता के सिद्धांत पर आधारित है।
भा संविधान की प्रस्तावना कहती है
हम भारत के लोग दृढ़ संकल्प होकर
अपनी इस संविधान सभा मे आज दिनांक
26 नव. 1949 को संविधान को अधि-
नियमित करते हैं।

(2) लिखित और सर्वाधिक व्यापक संविधान →

भारत का संविधान लिखित और सर्वाधिक व्यापक है। हमारे संविधान मे 395 अनु. तथा 12 अनुसूचियां है। जबकि अमेरिका के संविधान मे मात्र 7 अनुच्छेद हैं।

(3) कठोरता और अनम्यता का अद्भुत सम्मिश्रण →

भारतीय संविधान कठोरता एव अनमनीयता का अद्भुत सम्मिश्रण है। जिन देशो के संविधान मे साधारण विधि द्वारा संशोधन हो जाता है। इन देशो का संविधान नमनीय तथा जिन देशो के संविधान मे संशोधन के लिए विशेष विधि का अनुसरण किया जाता है। उन देशों का संविधान अनमनीय है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(4) धर्मनिरपेक्षता — भारत का संविधान एक धर्मनिरपेक्ष राज्य की स्थापना करता है। अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति को अपनी रुचि की संस्थाएं स्थापित करने का अधिकार प्राप्त है।

(5) मौलिक अधिकार — अमेरिका के संविधान की भांति, भारत में के संविधान में भी नागरिकों मौलिक अधिकार प्रदत्त किए है।

(6) संसदीय शासन प्रणाली — संविधान सभा में इस बात पर पर्याप्त विचार विमर्श के उपरांत देश में संसदीय शासन प्रणाली की स्थापना की गई।

(7) स्वतंत्र न्यायपालिका — भारतीय संविधान द्वारा देश में स्वतंत्र न्यायपालिका की व्यवस्था की गई है। जो अपने निर्णयों हेतु पूर्णतः स्वतंत्र है।

BSEMP

[ ]
पृष्ठ के अंकों का योग

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षक के लिये

[redacted]

1. केन्द्र की सील
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक
6. परीक्षा का नाम
7. विषय ——— 8. माध्यम
8. दिनांक

पृष्ठ

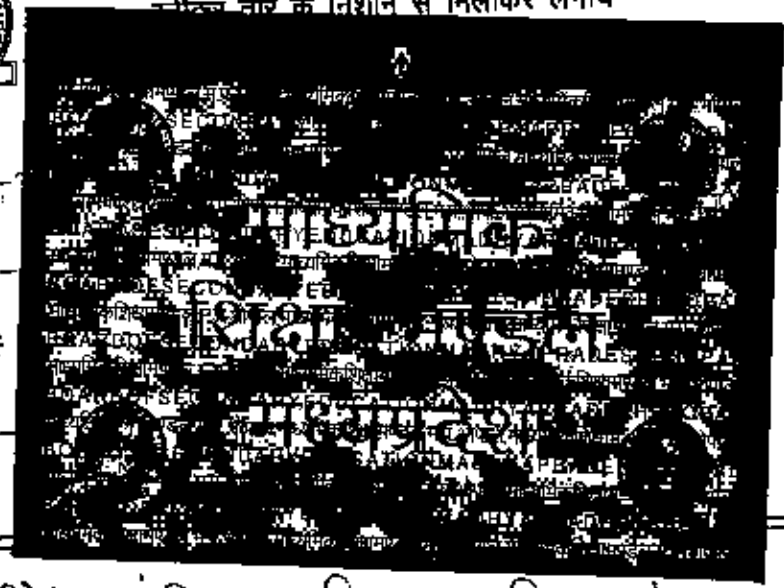

BSEMP

उ021 — विश्व बैंक की कार्य-प्रणाली एवं कार्य —

(1) विकास योजनाओं हेतु ऋण → विश्व बैंक उन विकास योजनाओं हेतु ऋण देता है। जब उसे विश्वास हो जाए कि सदस्य देश ऋण लेने योग्य है। तथा उसे उचित दर पर ऋण नहीं मिल पा रहा है।

(2) पूंजी में से प्रत्यक्ष ऋण → विश्व बैंक पूंजी में से भी प्रत्यक्ष ऋण दे सकता है।

(3) भुगतान की मुद्रा → जब विश्व बैंक उधार ली गई पूंजी में से ऋण देता है। तब ऋण लेने

पृष्ठ के अंकों का योग

वाले राष्ट्र के लिए आवश्यक है कि वह उसी मुद्रा में भुगतान करे जिसमें ऋण लिया था।

(4) ऋण की सीमा — विश्व बैंक अपनी अर्जित पूंजी से अधिक ऋण न तो स्वयं दे सकता है न उधार दिला सकता है।

(5) ब्याज — विश्व बैंक उचित ब्याज दरों पर सदस्य देशों को ऋण उपलब्ध कराता है।

(6) ऋण का दिया जाना तथा उसका उपयोग →

सम्बंधित राष्ट्र उस योजना के लिए ऋण का उपयोग कर सकता है जिसके के लिए ऋण लिया गया है। विश्व बैंक इसका निरीक्षण कर सकता है।

(7) तकनीकी एवं आर्थिक सहायता → विश्व बैंक अपने सदस्यों को तकनीकी एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराता है।

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

उ०-19- संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख अंग—

(1) महासभा — महासभा बिना किसी भेदभाव के सदस्य सभी राष्ट्रों को U.N.O की सदस्यता उपलब्ध कराती है। इसके सदस्यों की संख्या 193 है।

(2) सुरक्षा परिषद — सुरक्षा परिषद की कुल सदस्य संख्या 15 है। जिसमें 5 स्थायी तथा 10 अस्थायी सदस्य होते है।

(3) आर्थिक एवं सामाजिक परिषद — यह आर्थिक एवं सामाजिक कल्याण के कार्य करती है।

(4) न्याय परिषद — इस परिषद का गठन उन देशों के लिए किया गया है। जिन्हें औपनिवेशिक शक्तियों से स्वतंत्रता मिली है। तथा जो अपना स्वयं का शासन चलाने में असमर्थ है।

BSEMP

को का योग

कुल अंक

(5) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायलय — अन्तर्राष्ट्रीय न्यायलय के न्यायधीशों की संख्या 15 है। जिनकी नियुक्ति 9 वर्षों के लिए की जाती है।

(6) सचिवालय — सचिवालय सुरक्षा परिषद एवं संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रत्येक के कार्यालय के रूप में कार्य करता है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग